अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष 2023 को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

आपको क्यों पता होना चाहिए?

हाल ही में कृषि और किसान कल्याण विभाग और नेफेड ने अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष (IYOM)-2023 को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

विवरण में -

• अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष 2023 की पहल को बढ़ावा देने के लिए 4 अक्टूबर, 2022 को नई दिल्ली में कृषि और किसान कल्याण विभाग और भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

• भारत सरकार द्वारा संयुक्त राष्ट्र को प्रस्तावित "अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष (IYOM)-2023" की पहल को ध्यान में रखते हुए, दोनों संगठन बाजरा आधारित उत्पादों के प्रचार और विपणन के लिए मिलकर काम करेंगे।

• जैसा कि भारत वैश्विक मानचित्र पर बाजरा को वापस लाने के लिए कमर कस रहा है, वे समर्थन का निर्माण करेंगे और देश भर में बाजरा-आधारित उत्पादों के मूल्य पर कब्जा और बाजरा-आधारित वस्तुओं को अधिकतम करने के लिए समर्थन और संगठित, प्रचार, बाजार और प्रभावी बाजार संबंध बनाएंगे।

सहयोग के क्षेत्र-

कृषि और किसान कल्याण विभाग और नेफेड मुख्यतः निम्न क्षेत्रों में सहयोग करेंगे, जैसे;

- बाजरे-आधारित उत्पादों के निर्माताओं/प्रोसेसरों को मूल्यवर्धित बाजरा-आधारित वस्तुओं को विकसित करने के लिए सलाहकार सहायता की सुविधा प्रदान करना;
- स्टार्ट-अप्स की ऑन-बोर्डिंग, भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर) के पैनल में शामिल स्टार्ट-अप्स सहित बाजरा आधारित उत्पादों की एक श्रृंखला विकसित करने के लिए विशेष रूप से एफपीओ का गठन;
- नेफेड बाजार स्टोर्स और नेफेड से जुड़े अन्य संस्थानों के नेटवर्क के माध्यम से बाजरा आधारित उत्पादों को बढ़ावा देना
- बाजार में बेचना और साथ ही दिल्ली-एनसीआर में विभिन्न स्थानों पर बाजरा आधारित वेंडिंग मशीनों की स्थापना करना; तथा
- बाजरा-आधारित उत्पादों का वितरण जो बाजरा-आधारित वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित करने में सहायता करेगा।

पार्श्वभूमि-

• संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में घोषित किया है। इसे संयुक्त राष्ट्र के एक प्रस्ताव द्वारा अपनाया गया था जिसके लिए भारत ने नेतृत्व किया और 70 से अधिक देशों ने इसका समर्थन किया।

• इससे दुनिया भर में बाजरा के महत्व, टिकाऊ कृषि में इसकी भूमिका और स्मार्ट और सुपर फूड के रूप में इसके लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करने में मदद मिलेगी।

• भारत 170 लाख टन से अधिक के उत्पादन और एशिया में उत्पादित बाजरे का 80% से अधिक उत्पादन के साथ बाजरा के लिए वैश्विक केंद्र बनने की ओर अग्रसर है।

OJAS ACADEMY

• इन अनाजों के सबसे पुराने प्रमाण सिंधु सभ्यता में पाए गए हैं और भोजन के लिए कृषित किए जाने वाले पहले पौधों में से एक थे।

• यह लगभग 131 देशों में उगाया जाता है और एशिया और अफ्रीका में लगभग 60 करोड़ लोगों के लिए यह पारंपरिक भोजन है।

बाजरा क्या हैं?

• बाजरा छोटे बीज वाली घासों का एक अत्यधिक विविध समूह है, जो दुनिया भर में व्यापक रूप से चारे और मानव भोजन के लिए अनाज की फसल या अनाज के रूप में उगाया जाता है।

• बाजरा एशिया और अफ्रीका के अर्ध-शुष्क कटिबंधों (विशेषकर भारत, माली, नाइजीरिया और नाइजर में) में महत्वपूर्ण फसल हैं, जिसमें विकासशील देशों में 97% बाजरा उत्पादन होता है।

• इस फसल को इसकी उत्पादकता और शुष्क, उच्च तापमान वाली परिस्थितियों में कम उगने वाले मौसम के कारण पसंद किया जाता है।

• पौष्टिक अनाजों में बाजरा, ज्वार, रागी/मांडुवा, कंगनी, कोदो, कुटकी, छेना, सावन, ब्राउनटॉप बाजरा, टेफ बाजरा, फोनियो बाजरा आदि शामिल हैं।

• बाजरा दुनिया के कई हिस्सों के लिए स्वदेशी हैं। सबसे व्यापक रूप से उगाए जाने वाले बाजरा ज्वार और मोती बाजरा हैं, जो भारत और अफ्रीका के कुछ हिस्सों में महत्वपूर्ण फसल हैं। फिंगर बाजरा, प्रोसो बाजरा, और फॉक्सटेल बाजरा भी महत्वपूर्ण फसल प्रजातियां हैं।

भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई)

आपको क्यों पता होना चाहिए?

6 अक्टूबर, 2022 को भारतीय गुणवत्ता परिषद अपनी रजत जयंती मनाने जा रही है।

विवरण में-

• क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया नई दिल्ली के अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में अपनी रजत जयंती मनाने के लिए तैयार है, जिसका उद्देश्य गुणवत्ता में वृद्धि से तेज भारत की विकास यात्रा को साझा करना है। नीति निर्माण, शासन और गुणवत्ता के दिग्गज एक मंच पर एक साथ आएंगे और गुणवत्ता और निरंतरता में निहित उत्कृष्टता के साथ भारत के प्रयास की सराहना करेंगे।

• श्री पीयूष गोयल, केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण, और कपड़ा इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे।

• इस कार्यक्रम में 'मेक इन इंडिया' के लिए गुणवत्ता पारिस्थितिकी तंत्र पर पैनल चर्चा शामिल होगी, गति, पैमाने, डिजिटलीकरण और गुणवत्ता के माध्यम से 2047 के लिए भारत के विकास के दृष्टिकोण को प्राप्त करना और 'भारत में हील-भारत द्वारा हील' पर चर्चा शामिल होगी।

• क्यूसीआई द्वारा अपने भागीदारों के साथ स्थापित कई पुरस्कारों के माध्यम से भारत के गुणवत्ता पारिस्थितिकी तंत्र में उत्कृष्ट योगदानकर्ताओं को भी मान्यता दी जाएगी।

भारतीय गुणवत्ता परिषद के बारे में-

• भारतीय गुणवत्ता परिषद की स्थापना 1997 में भारत सरकार और भारतीय उद्योग द्वारा संयुक्त रूप से तीन प्रमुख उद्योग संघों यानी एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम), भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और फेडरेशन इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के, श्री रतन टाटा की अध्यक्षता में की गई थी।

• इस प्रकार क्यूसीआई को एक स्वतंत्र स्वायत्त निकाय के रूप में संगठित किया गया जिसने आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करने की दिशा में काम किया।

• परिषद स्वतंत्र है और सरकार, उद्योग और उद्योग संघों के समान प्रतिनिधित्व वाले अपने शासी निकाय (जीबी) के निर्देशों के तहत काम करती है।

• यह सरकार द्वारा वित्त पोषित नहीं होता है और यह अपने स्वयं के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन (एमओए) और नियमों के साथ एक आत्मनिर्भर गैर-लाभकारी संगठन है।

• अपनी स्थापना के बाद से, क्यूसीआई ने भारत के आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

• पिछले 25 वर्षों में, क्यूसीआई ने मान्यता और गुणवत्ता संवर्धन के कार्यों को संभालने के लिए विभिन्न बोर्ड जैसे- एनएबीएल, एनएबीएच, एनएबीसीबी, एनएबीईटी और एनबीक्यूपी बनाए हैं।

• सरकार द्वारा इसे दिए गए जनादेश के अनुसार, क्यूसीआई ने वैश्विक परिदृश्य में प्रवेश करना शुरू कर दिया और मंचों और संगठनों के साथ सदस्यता स्थापित की, जिन्होंने यह तय किया कि व्यापार और व्यापार को वैश्विक वातावरण में कैसे संचालित किया जाना है।

• QCI और NABL क्रमशः IAF और ILAC के सदस्य बन गए और बाद में APAC और APLAC जैसे क्षेत्रीय निकायों के सदस्य बन गए। इसने भारत में गुणवत्ता आश्वासन से संबंधित आर्थिक गतिविधियों के परिणामों की वैश्विक समानता सुनिश्चित की।

महत्व-

• सरकार द्वारा प्रख्यापित योजनाओं में तीसरे पक्ष के मूल्यांकन में वास्तविक वृद्धि वर्ष 2015 के बाद हुई, जब सरकार ने क्यूसीआई जैसे संगठनों पर निर्भर होना शुरू कर दिया ताकि वे बिना किसी डर या पक्ष के मान्यता प्राप्त संगठनों के माध्यम से स्वतंत्र प्रतिक्रिया की एक परत प्रदान कर सकें।

• कई सरकारी विभागों ने अब ऐसे नियम बनाए हैं जो एनएबीएल और एनएबीसीबी मान्यता प्राप्त संगठनों द्वारा किए जाने वाले परीक्षण, निरीक्षण और प्रमाणन के लिए प्रदान करते हैं।

• यह देश की नीति में एक बड़ा बदलाव रहा है जहां तीसरे पक्ष की एजेंसियों को डेटा एकत्र करने और विश्लेषण करने और आम लोगों के कल्याण और नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता के लिए विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन में अंतराल को भरने की जिम्मेदारी दी गई है।

गुणवत्ता से आत्मनिर्भरता अभियान-

• गुणवत्ता और उत्कृष्टता की यात्रा का जश्न मनाने के लिए, जिसके लिए भारत खड़ा है, क्यूसीआई ने एक प्रमुख अभियान- गुणवत्ता से आत्मानिभर्ता: भारत का गुणवत्ता आंदोलन शुरू किया है।

अभियान का उद्देश्य -

- भारत के गुणवत्ता केंद्रों का जश्न मनाना,
- भारत की ऐतिहासिक उपलब्धियों के बारे में जागरूकता पैदा करना और

- लोगों को उन कई पहलों के बारे में सूचित करना है जिन्हें भारत अपने सभी नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के उद्देश्य से अपना रहा है।

'हर्स्टार्ट' प्लेटफॉर्म

आपको क्यों पता होना चाहिए?

हाल ही में भारत के राष्ट्रपति ने 'हर्स्टार्ट' - गुजरात विश्वविद्यालय का एक स्टार्ट-अप प्लेटफॉर्म लॉन्च किया।

विवरण में -

• भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने 4 अक्टूबर, 2022 को अहमदाबाद में गुजरात विश्वविद्यालय का एक स्टार्ट-अप प्लेटफॉर्म 'हर्स्टार्ट' लॉन्च किया।

• उन्होंने गुजरात सरकार की शिक्षा और आदिवासी विकास से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं के लिए गुजरात विश्वविद्यालय से वस्तुतः उद्घाटन / शिलान्यास भी किया।

• विभिन्न पहलों के शुभारंभ को देखने के लिए बड़ी संख्या में महिला उद्यमी, स्टार्टअप संस्थापक, शिक्षाविद और छात्र मौजूद थे।

• यह उल्लेखनीय है कि पिछले तीन वर्षों से, GUSEC, वैश्विक बहुपक्षीय संगठन - संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के साथ साझेदारी में महिलाओं और स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए एक नवाचार समर्थन पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

मंच के बारे में-

• उसका स्टार्ट प्लेटफॉर्म महिला उद्यमियों को उनके नवोन्मेषी विचारों को आगे बढ़ाने में मदद करेगा, और मंच में इच्छुक महिला उद्यमियों को संसाधन और प्रशिक्षण मॉड्यूल मुफ्त प्रदान करने के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म, उनके लिए एक डिजिटल समुदाय और प्रसार के लिए एक डिजिटल प्रकाशन शामिल होगा।

• प्लेटफॉर्म में उसकास्टार्ट इनक्यूबेटर, महिला उद्यमियों और नवप्रवर्तनकर्ताओं के लिए एक समर्पित पूर्ण स्टार्टअप इनक्यूबेटर, और उसकास्टार्ट एक्सेलेरेटर, उच्च प्रभाव वाली महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप के लिए एक साल भर का त्वरक कार्यक्रम शामिल है, दोनों को राष्ट्रपति द्वारा लॉन्च किया गया था। ।

• यूनिसेफ, गुजरात सरकार और भारत सरकार द्वारा समर्थित, उसकेस्टार्ट को उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) द्वारा राज्यों की स्टार्टअप रैंकिंग फ्रेमवर्क रिपोर्ट में गुजरात स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक प्रमुख ड्राइविंग पहल के रूप में मान्यता दी गई है।

• उसके START के एक भाग के रूप में 15,000 से अधिक महिला उद्यमियों के साथ ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड के माध्यम से जुड़ाव रहा है।

• 2,500 से अधिक महिला उद्यमियों की भागीदारी के साथ 2,000 से अधिक महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप ने क्षमता निर्माण किया है।

OJAS ACADEMY

• 200 से अधिक परिपक्व-चरण वाली महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप को प्लेटफॉर्म के तहत तेज किया गया है, जबकि 150 स्टार्टअप सक्रिय रूप से अपने स्टार्ट के तहत बढ़ रहे हैं।

इंडिया मोबाइल कांग्रेस का छठा संस्करण

आपको क्यों पता होना चाहिए?

हाल ही में एशिया का सबसे बड़ा दूरसंचार उत्सव, छठा इंडिया मोबाइल कांग्रेस, दिल्ली में बड़ी सफलता के साथ संपन्न हुआ।

विवरण में-

• माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत में 5जी सेवाओं के ऐतिहासिक लॉन्च को चिह्नित करते हुए, एशिया के सबसे बड़े दूरसंचार महोत्सव, इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2022 का छठा संस्करण यहां नई दिल्ली के प्रगति मैदान में भव्य सफलता के साथ संपन्न हुआ।

• लोकप्रियता, रुचियों और भारी भीड़ से उत्साहित, भव्य वार्षिक कार्यक्रम जो पहले 3 दिनों के लिए निर्धारित किया गया था, को एक और दिन के लिए बढ़ा दिया गया था।

• चौथे दिन ने उन आगंतुकों का स्वागत किया जिन्हें अत्याधुनिक तकनीक और भारत के 5जी भविष्य में परिवर्तन की एक झलक मिली।

• भारतीय दूरसंचार विभाग और सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन (सीओएआई) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, आईएमसी 2022 ने 362 वक्ताओं, 80 सत्रों में 13,500 प्रतिभागियों और 150 पीएसयू और विभिन्न अन्य विभागों के 7000 सरकारी अधिकारियों सहित 1.07 लाख से अधिक आगंतुकों की मेजबानी की, 10 केंद्रीय मंत्री, 17 राज्य मंत्री, 30 हजार छात्र और अन्य। 1-4 अक्टूबर तक 239 स्टालों और 1811 प्रदर्शकों ने यहां अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

• IMC 2022 ने भारत में 5G तकनीक के विकास और प्रयासों को प्रदर्शित किया और बताया कि कैसे वे संचार, कनेक्शन और वाणिज्य को निर्बाध बनाकर डिजिटल परिवर्तन में योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान, पीएम मोदी ने अहमदाबाद के रोपड़ प्राइमरी स्कूल के छात्रों के साथ शिक्षा में 5G तकनीक के लाभों पर बात की।

• उन्होंने वोडाफोन आइडिया द्वारका टनल के कर्मचारियों के साथ मौजूदा चुनौतियों पर 5जी तकनीक के साथ बातचीत की और बताया कि कैसे 5जी तकनीक उनके जीवन को बदलने जा रही है। उन्होंने वाराणसी के एक स्कूल की एक छात्रा के होलोग्राम अवतार के साथ 5जी के लाभों और संवर्धित वास्तविकता में अध्ययन के उसके अनुभव के बारे में भी बातचीत की।

• आईएमसी 2022 ने 'न्यू डिजिटल यूनिवर्स', 'डिकोडिंग द पोटेंशियल ऑफ डिजिटल भारत', 'स्किलिंग इंडिया फॉर न्यू 5जी प्रतिमान, टुवर्ड्स 5जी एंड एडवांस्ड 6जी- एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 'ग्लोबल सीईओ कॉन्क्लेव: स्टीयरिंग' शीर्षक से व्यावहारिक और विचारोत्तेजक सत्र आयोजित किए।

महत्व-

• IMC 2022 के छठे संस्करण में दूरसंचार और तकनीकी कंपनियों के शीर्ष नेताओं, नीति निर्माताओं, विचारकों, शिक्षाविदों और अन्य लोगों की मेजबानी की गई। वक्ताओं ने 5जी विकास के भविष्य और देश में इसके बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन पर अपने विचार साझा किए।

• इसमें 5जी क्षेत्र में चुनौतियों, प्रयासों और अवसरों पर भी चर्चा हुई जो भारत में एक मजबूत प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में योगदान कर सकते हैं।

• वाणिज्य, स्वास्थ्य, शिक्षा, संचार और वित्तीय समावेशन के क्षेत्रों में चुनौतियों का समाधान करने के लिए आईएमसी के प्रयास डिजिटल इंडिया के दृष्टिकोण और भारत में निर्मित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के साथ जुड़े हुए हैं।

• अपनी स्थापना के बाद से, आईएमसी सक्रिय रूप से प्रौद्योगिकी उत्पादों के निर्माण के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में भारत की ताकत और स्थिति को बढ़ावा दे रहा है। यह नए डिजिटल ब्रह्मांड में स्टार्टअप्स, लघु-स्तरीय उद्योगों की भूमिका पर प्रकाश डाल रहा है ताकि श्रेणी सेवा, उपकरण और अनुप्रयोगों में सर्वश्रेष्ठ प्रदान किया जा सके।

OJAANK ACADEMY